सीयूजे में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आज से

स्वदेश ✍ संवाददाता

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग और इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (नई दिल्ली) की ओर से प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन सीयूजे में 28 और 29 अप्रैल को होगा। सेमिनार भारत का स्वतंत्रता आंदोलन और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अनकही कहानियों पर होगा। सेमिनार का विषय महत्वपूर्ण इसलिए है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ने राष्ट्रवादी

परिवर्तन एवं आंदोलन में एक अहम भूमिका निभाई है। अंडमान और निकोबार के खूबसूरत और रहस्यमय द्वीपों और सेलुलर जेल ने विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय मुख्य भूमि से दूर स्थित होने के बावजूद, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की महत्वपूर्ण भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। ऐसा माना जाता है कि अंडमान नाम हनुमान (देवता) के नाम से लिया गया था। प्रगतिशील स्वतंत्र भारत के 75 साल पूरे होने और गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों को मनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग इस संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।इसके लिए सीयूजे का सेंटर फॉर इंटरनेशनल रिलेशंस तथा स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, शीर्ष शिक्षाविदों, शोध विद्वानों और प्रोफेसरों को एक साथ लाने जा रहा है जो इस विशेष विषय पर विचार करेंगे।संगोष्ठी के संयोजक डॉ. विभूति भूषण विश्वास ने कहा कि सम्मेलन में भारत भर से विद्वान भाग लेने जा रहे हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. क्षितिज भूषण दास, कुलपति, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय करेंगे और प्रो. राज कुमार कोठारी, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, डायमंड हार्बर महिला विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल अध्यक्षीय भाषण देंगे। डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, प्रमुख और डीन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, एसएचएसएस, सीयूजे स्वागत भाषण देंगे।

केंद्रीय विवि झारखंड में दो दिवसीय सेमिनार आज से

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग और इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (नयी दिल्ली) के संयुक्त तत्वावधान में 28 अप्रैल से भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की अनकही कहानियों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ने राष्ट्रवादी परिवर्तन एवं आंदोलन में एक अहम भूमिका निभायी. यहां के द्वीपों और सेलुलर जेल ने विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी.

सीयूजे में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आज से

जासं, रांची : सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग और इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंस रिसर्च नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से 28 और 29 अप्रैल को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अनकही कहानियों...पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास करेंगे। कुलपति ने बताया कि सेमिनार का विषय महत्वपूर्ण इसलिए है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ने राष्ट्रवादी परिवर्तन एवं आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। भारतीय मुख्य भूमि से दूर स्थित होने के बावजूद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की महत्वपूर्ण भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। ऐसा माना जाता है कि अंडमान नाम हनुमान (देवता) के नाम से लिया गया था।